[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

DESHBANDHU COLLEGE
2019
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

Sr. No. of Question Paper : 1984 **J**

Unique Paper Code : 62131115 – OC

Name of the Paper : Sanskrit A : Sanskrit Literature

Name of the Course : **B.A. (Programme) : Sanskrit**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **All** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. **सभी** प्रश्नों का उत्तर दीजिए ।

P.T.O.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए : (6×2=12)

Translate any **two** of the following :

(क) हा हा पुत्राक ! नाधीतं गतास्वेतासु रात्रिषु ।

तेन त्वं विदुषां मध्ये पंके गौरिव सीदसि ।।

अथवा / OR

गुणा गुणज्ञेषु गुणा भवन्ति ते निर्गुणं प्राप्य भवन्ति दोषा: ।

आस्वाद्य तोया: प्रवहन्ति नद्य: समुद्रमासाद्य भवन्त्यपेया: ।।

(ख) मूर्खस्तु परिहर्तव्य: प्रत्यक्षो द्विपद: पशु: ।

भिनत्ति वाक्यशल्येन ह्यदृष्ट: कण्टको यथा ।।

अथवा / OR

कोऽतिभार: समर्थानां किं दूरं व्यवसायिनाम् ।

को विदेश: सुविद्यानां क: पर: प्रियवादिनाम् ।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : (8×2=16)

Explain any **two** of the following :

(क) सर्व द्रव्येषु विद्यैव द्रव्यमाहुरनुत्तमम् ।

अहार्यत्वादनर्घ्यत्वादक्षयत्वाच्च सर्वदा ।।

अथवा / OR

यथा ह्येकेन चक्रेण न रथस्य गतिर्भवेत् ।

तथा पुरुषकारेण विना दैवं न सिद्ध्यति ।।

(ख) दुर्जनस्य च सप्रस्य वरं सर्पो न दुर्जन: ।

सर्पो दशति कालेन दुर्जनस्तु पदे पदे ।।

अथवा / OR

कामधेनुगुणा विद्या ह्यकाले फलदायिनी ।

प्रवासे मातृसदृशी विद्या गुप्तं धनं स्मृतम् ।।

3. चित्रग्रीव कथा का सार अपने शब्दों में लिखिए । (13)

Write the summary of Chitragreeva story in your own words.

अथवा / OR

चाणक्य नीति के आधार पर 'विद्या' का महत्त्व बताइए ।

Discuss the importance of vidya according to chankyaniti.

4. प्रश्न संख्या 1 और 2 में रेखाङ्कित किन्हीं **5** शब्दों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए । (10)

Write the grammatical notes on **any five** underline word in Question no. 1 and 2.

5. संस्कृत गद्य-साहित्य के उद्भव एवं विकास की समीक्षा कीजिए। (12)

Discus the origin and development of Sanskrit Prose.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write notes on **any two** of the following :

(क) सुबंधु (ख) दशकुमारचरितम्

(ग) कादम्बरी (घ) अम्बिकादत्तव्यास

6. कथा-साहित्य से क्या अभिप्राय है ? इसके भेदो पर प्रकाश डालिए। (12)

What does the mean of kathasahitya? Throw light on its distinctions.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write notes on any **two** of the following :

(क) पञ्चतन्त्र (ख) कथासरित्सागर

(ग) हितोपदेश (घ) चाणक्यनीति

[This question paper contains 3 printed pages] 2019

Roll No.:
Sl. No Ques. Paper 1985 JC

Unique Paper Code : 62131116_OC

Name of the Paper : Sanskrit B : Upanishad and Geeta

Name of the Course : B.A (Programme): Sanskrit

Semester : I

Duration : 3 Hours
Maximum Marks : 75 Marks

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper)

(इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए।)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत, हिन्दी** अथवा **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

भाग क / Section A

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए: 4+4=8
Translate any **Two** of the following:

(क) ईशा वास्यमिदँ सर्वं यत्किञ्च जगत्यां जगत्।
तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा मा गृधः कस्य स्विद्धनम्।।

(ख) अन्यदेवाहुर्विद्ययान्यदाहुरविद्यया।
इति शुश्रुम धीराणां ये नस्तद्विचचक्षिरे।।

(ग) तदेजति तन्नैजति तद् दूरे तद्वन्तिके।
तदन्तरस्य सर्वस्य तदु सर्वस्यास्य बाह्यतः।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : 6+6=12
Explain any **Two** of the following :

(क) कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतँ समाः।
एवं त्वयि नान्यथेतोऽस्ति न कर्म लिप्यते नरे।।

(ख) हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्।

तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।।

(ग) यस्मिन्सर्वाणि भूतान्यात्मैवाभूद्विजानतः।
तत्र को मोहः कः शोक एकत्वमनुपश्यतः।।

3. ईशावास्योपनिषद् के अनुसार 'कर्म' की संकल्पना पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। 10
Elaborate the concept of karma according to the Īśavāsyopanisad.

अथवा / Or

ईशावास्योपनिषद् का सार अपने शब्दों में लिखिए।
Write the summary of Īśavāsyopniṣad in your own words.

भाग ख / Section B

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए: 4+4=8
Translate any **Two** of the following:

(क) अशोच्यानन्वशोचस्त्वं प्रज्ञावादांश्च भाषसे।
गतासूनगतासूंश्च नानुशोचन्ति पण्डिताः।।

(ख) जातस्य हि ध्रुवो मृत्युर्ध्रुवं जन्म मृतस्य च।
तस्मादपरिहार्येऽर्थे न त्वं शोचितुमर्हसि।।

(ग) प्रजहाति यदा कामान् सर्वान् पार्थ मनोगतान्।
आत्मन्येवात्मना तुष्टः स्थितप्रज्ञस्तदोच्यते।।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : 6+6=12
Explain any **Two** of the following :

(क) कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि।।

(ख) देहिनोऽस्मिन् यथा देहे कौमारं यौवनं जरा।
तथा देहान्तरप्राप्तिर्धीरस्तत्र न मुह्यति।।

(ग) कुतस्त्वा कश्मलमिदं विषमे समुपस्थितम्।
अनार्यजुष्टमस्वर्ग्यमकीर्तिकरमर्जुन ।।

6. गीता के द्वितीय अध्याय के आधार पर स्थितप्रज्ञ का वर्णन करें। 10
Describe sthithaprajña on the basis of the second chapter of Gītā.

अथवा / Or

गीता के द्वितीय अध्याय का क्या महत्त्व है ?
What is the significance of the second chapter of Gītā ?

7. प्रश्न संख्या 4 एवं 5 के रेखांकित पदों में से किन्हीं **पांच** पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। 5
Write grammatical note on any **five** of the underlined words from question no. 4 & 5.

भाग ग / Section C

8. निष्काम कर्मयोग पर एक निबन्ध लिखिए। 10
Write an essay on निष्काम कर्मयोग.

अथवा / Or

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 5+5=10
Write short notes on any **Two** of the following :

देही , कर्म , सृष्टि प्रक्रिया , ईश्वर

2019

[This question paper contains 6 printed pages.]

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1986 **J**

Unique Paper Code : 62131117 – OC

Name of the Paper : Sanskrit C : Niti Literature

Name of the Course : **B.A. (Programme): Sanskrit**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

1. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए: (5×5=25)

Translate the following:

(क) अस्ति दाक्षिणात्ये जनपदे पाटलिपुत्रं नाम नगरम्। तत्र मणिभद्रो नाम श्रेष्ठी प्रतिवसति स्म। तस्य च धर्मार्थकाममोक्षकर्माणि कुर्वतो विधिवशात् धनक्षयः संजातः। ततो विभवक्षयादपमानपरम्परया परं विषादं गतः। अथान्यदा रात्रौ सुप्तश्चिन्तितवान्- 'अहो! धिगियं दरिद्रता'।

अथवा / OR

तथानुष्ठिते किंचिन्मार्गं गत्वा तेषां ज्येष्ठतरः प्राह-'अहो! अस्माकमेकश्चतुर्थो मूढः केवलं बुद्धिमान्। न च राजप्रतिग्रहो बुद्ध्या लभ्यते, विद्यां विना। तन्नास्मै स्वोपार्जितं दास्यामि। तद् गच्छतु गृहम्।' ततो द्वितीयेनाभिहितम्- 'भोः सुबुद्धे! गच्छ, त्वं स्वगृहं यतस्ते विद्या नास्ति।'

(ख) गंगदत्त आह- 'भोः! समागच्छ त्वम्। अहं सुखोपायेन तत्र तव प्रवेशं कारयिष्यामि। तथा तस्य मध्ये जलोपान्ते रम्यतरं कोटरमस्ति। तत्र स्थितस्त्वं लीलया दायादान्व्यापादयिष्यसि' तच्छ्रुत्वा सर्पो व्यचिन्तयत्-'अहं तावत्परिणतवयाः कदाचित्कथंचिन्मूषकमेकं प्राप्नोमि।'

अथवा / OR

अपरं सा यदि तव वल्लभा न भवति, तत्किं मया भणितेऽपि तां न व्यापादयसि अथ यदि स वानरस्तत्कस्तेन सह तव स्नेहः। तत्किं बहुना। यदि तस्य हृदयं न भक्षयामि, तन्मया प्रायोपवेशनं कृतं विद्धि। एवं तस्यास्तन्निश्चयं ज्ञात्वा चिन्ताव्याकुलितहृदयः स प्रोवाच।

(ग) शिवः शार्वं स्वर्गात्पशुपतिशिरस्तः क्षितिधरं
महीध्रादुत्तुंगादवनिमवनेश्चापि जलधिम्।
अधोऽधो गंगेयं पदमुपगता स्तोकमथवा
विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः॥

अथवा / OR

अज्ञः सुखमाराध्यः सुखतरमाराध्यते विशेषज्ञः।
ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्मापि तं नरं न रंजयति॥

(घ) वरं पर्वतदुर्गेषु भ्रान्तं वनचरैः सह।
न मूर्खजनसम्पर्कः सुरेन्द्रभवनेष्वपि॥

अथवा / OR

येषां न विद्या न तपो न दानं ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।
ते मर्त्यलोके भुवि भारभूता मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति॥

(ङ) जाड्यं धियो हरति सिंचति वाचि सत्यं
मानोन्नतिं दिशति पापमपाकरोति।

चेतः प्रसादयति दिक्षु तनोति कीर्तिं

सत्संगतिः कथय किं न करोति पुंसाम् ।।

अथवा / OR

प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः

प्रारभ्य विघ्नविहता विरमन्ति मध्याः ।

विघ्नैः पुनःपुनरपि प्रतिहन्यमानाः

प्रारब्धमुत्तमजना न परित्यजन्ति ।।

2. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (8+8=16)

Explain the following with reference to the context :

(क) न विश्वसेदविश्वस्ते विश्वस्तेऽपि न विश्वसेत् ।

विश्वासाद् भयमुत्पन्नं मूलान्यपि निकृन्तति ।।

अथवा / OR

अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम् ।

उदारचरितानान्तु वसुधैव कुटुम्बकम् ।।

(ख) यदा किंचिंज्ञोऽहं द्विप इव मदान्धः समभवं

तदा सर्वज्ञोऽस्मीत्यभवदवलिप्तं मम मनः ।

यदा किंचित्किंचिद् बुधजनसकाशादवगतं

तदा मूर्खोऽस्मीति ज्वर इव मदो मे व्यपगतः ।।

अथवा / OR

विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनं

विद्या भोगकरी यशःसुखकरी विद्या गुरूणां गुरुः ।

विद्या बन्धुजनो विदेशगमने विद्या परं दैवतं

विद्या राजसु पूज्यते न तु धनं विद्याविहीनः पशुः ।।

अथवा / OR

दाक्षिण्यं स्वजने दया परजने शाठ्यं सदा दुर्जने

प्रीतिः साधुजने नयो नृपजने विद्वज्जने चार्जवम् ।

शौर्यं शत्रुजने क्षमा गुरुजने नारीजने धूर्तता

ये चैवं पुरुषाः कलासु कुशलास्तेष्वेव लोकस्थितिः ।।

3. पंचतंत्र के आधार पर 'मूर्खपण्डितकथा' अथवा 'क्षपणककथा' का सारांश लिखिए। (10)

Write a summary of 'मूर्खपण्डितकथा' or 'क्षपणककथा' on the basis of Panchatantra.k

4. भर्तृहरि के नीतिशतक के आधार पर 'मूर्खपद्धति' को स्पष्ट कीजिए। (10)

Describe the 'मूर्ख पद्धति' according to the Nitishatakam of Bhartrihari.

अथवा / OR

भर्तृहरि के नीतिशतक के अनुसार 'विद्या के महत्त्व' पर टिप्पणी लिखिए।

Write a note on the importance of "Vidya" according to the Nitishatakam of Bhartrihari.

5. प्रश्न संख्या 1 के अधोरेखांकित पदों में से किन्हीं **चार** पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। (4)

Write Grammatical notes on any **four** of underlined words from q. no. 1.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (5+5=10)

Write short notes on any **Two** of the following :

कालिदास, भास, बाणभट्ट , उत्तररामचरितम्, किरातार्जुनीयम्।

[This question paper contains 4 printed pages.] 2019

Your Roll No.....

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Sr. No. of Question Paper : 2022 **J**

Unique Paper Code : 62131101 – OC

Name of the Paper : Sanskrit Poetry

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Sanskrit, Core**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** the questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

P.T.O.

1. निम्नलिखित में से किन्ही 4 श्लोकों का अनुवाद कीजिए : (3×4=12)

Translate **four** of the following Shlokas:

(i) साहित्यसंगीतकलाविहीनः, साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः ।
तृणं न खादन्नपि जीवमानस्तद्भागधेयं परमं पशूनाम् ।।

(ii) लभेत सिकतासु तैलमपि यत्नतः पीडयन्, पिबेच्च मृगतृष्णाकासु सलिलं पिपासार्दितः ।
कदाचिदपि पर्यटञ्छशविषाणमासादयेत्, न तु प्रतिनिविष्टमूर्ख-जनचित्तमाराधयेत् ।।

(iii) सर्वातिरिक्तसारेण सर्वतेजोभिभाविना ।
स्थितः सर्वोन्नतेनोर्वीं क्रान्त्वा मेरुरिवात्मना ।।

(iv) रेखामात्रमपि क्षुण्णादामनोर्वर्त्मनः परम् ।
न व्यतीयुः प्रजास्तस्य नियन्तुर्नेमिवृत्तयः ।।

(v) तुल्येऽपराधे स्वर्भानुर्भानुमन्तं चिरेण यत् ।
हिमांशुमाशु ग्रसते तन्म्रदिम्नः स्फुटं फलम् ।।

(vi) उपकर्त्राऽरिणा सन्धिर्न मित्रेणापकारिणा ।
उपकारापकारौ हि लक्ष्यं लक्षणमेतयोः ।।

2. अधोलिखित में से किन्ही **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (3×6=18)

Explain any **three** with reference to the context :

(i) वरं पर्वतदुर्गेषु भ्रान्तं वनचरैः सह ।
न मूर्खजनसम्पर्कः सुरेन्द्रभुवनेश्वपि ।।

(ii) ज्ञाने मौनं क्षमा शक्तौ त्यागे श्लाघाविपर्ययः ।
गुणा गुणानुबन्धित्वात्तस्य सप्रसवा इव ।।

(iii) तेजस्विमध्ये तेजस्वी दवीयानपि गण्यते ।
पंचमः पंचतपसस्तपनो जातवेदसाम् ।।

(iv) अज्ञः सुखमाराध्यः सुखतरमाराध्यते विशेषज्ञः ।
ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्मापि नरं न रञ्जयति ।।

(v) आकारसदृशप्रज्ञा प्रज्ञया सदृशागमाः ।
आगमैः सदृशारम्भ आरम्भसदृशोदयः ।।

(vi) मा जीवान् यः परावज्या दुःखदग्धोऽपि जीवति ।
तस्याजननिरेवाऽस्तु जननीक्लेशकारिणः ।।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर निबन्ध लिखिए : (4×8=32)

Write essay on any **four** of the following :

(i) उपमा कालिदासस्य

(ii) रघुवंश के अनुसार दिलीप के चरित्र का वर्णन कीजिये

(iii) भर्तृहरि के शतकत्रय पर टिप्पणी लिखिए

(iv) तावद् भा भारवेर्भाति यावन्माघस्य नोदयः

(v) भर्तृहरि के अनुसार मूर्ख निन्दा

4. अधोलिखित से किन्हीं **पाँच** पर व्याकरणात्मक टिप्पणी करें- (5×1=5)

Write grammatical notes on any **five** of the following :

शक्यः, धियते, प्रजास्तस्य, वर्धयति, प्रतिपाद्यमानम्, उत्थाय, जुगोप ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (2×4=8)

Write short notes on any **four** of the following :

गीतिकाव्य, माघ, जयदेव, भर्तृहरि, कलिदास

[This question paper contains 4 printed pages.] 2019

Your Roll No.....

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Sr. No. of Question Paper : 3393 **J**

Unique Paper Code : 62131101

Name of the Paper : Sanskrit Poetry

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Sanskrit, Core**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** the questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

P.T.O.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **4** श्लोकों का अनुवाद कीजिए : (3×4=12)

Translate **four** of the following Shlokas :

(i) केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं हारा न चन्द्रोज्ज्वलाः
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालंकृताः मूर्धजाः ।
वाण्येका समलंकरोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते
क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम् ।।

(ii) येषां न विद्या न तपो न दानं
ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः ।
ते मर्त्यलोके भुवि भारभूताः
मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति ।।

(iii) मन्दः कवियशः प्रार्थी गमिष्याम्युपहास्यताम् ।
प्रांशुलभ्ये फले लोभादुद्बाहुरिव वामनः ।।

(iv) व्यूढोरस्को वृषस्कन्धः शालप्रांशुर्महाभुजः ।
आत्मकर्मक्षमं देहं क्षात्रो धर्म इवाश्रितः ।।

(v) सर्वकार्यशरीरेषु मुक्त्वांगस्कन्धपञ्चकम् ।
सौगतानामिवात्मान्यो नास्ति मन्त्रो महीभृताम् ।।

(vi) समूलघातमघ्नतः परान्नोद्यन्ति मानिनः ।
प्रध्वंसितान्धतमसस्तत्रोदाहरणं रविः ।।

2. अधोलिखित में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (3×6=18)

Explain any **three** with reference to the context :

(i) यदा किञ्चिच्ज्ञोऽहं द्विप इव मदान्धः समभवं,
तदा सर्वज्ञोऽस्मीत्यभवदवलिप्तं मम मनः ।
यदा किञ्चिचत्किञ्चिचद् बुधजनसकासादवगतम्,
तदा मूर्खोऽस्मीति ज्वर इव मदो मे व्यपगतः ।।

(ii) स्थित्यै दण्डयतो दण्ड्यान्परिणेतुः प्रसूतये ।
अप्यर्थकामौ तस्यास्तां धर्म एव मनीषिणः ।।

(iii) सम्पदा सुस्थिरं मन्यो भवति स्वल्पयाऽपि यः ।
कृतकृत्यो विधिर्मन्ये न वर्धयति तस्य ताम् ।।

(iv) तं सन्तः श्रोतुमर्हन्ति सदसद्व्यक्तिहेतवः ।
हेम्नः सन्लक्ष्यते ह्यग्नौ विशुद्धिः श्यामिकापि वा ।।

(v) यथाविधिहुताग्नीनां यथाकामार्चितार्थिनाम् ।
यथापराधदण्डानां यथाकालप्रबोधिनाम् ।।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर निबन्ध लिखिए : (4×8=32)

Write essay on any **four** of the following :

(i) माघे सन्ति त्रयो गुणाः

(ii) नीतिशतक के अनुसार मूर्ख के लक्षण

(iii) कविकुलगुरुकालिदासः

(iv) नीतिशतक के अनुसार विद्या के महत्व पर प्रकाश डालिये

(v) शिशुपालवध के नामकरण का औचित्य

4. अधोलिखित से किन्हीं **पाँच** पर व्याकरणात्मक टिप्पणी करें- (5×1=5)

Write grammatical notes on any **five** of the following :

वर्धयति, प्रतिपाद्यमानम्, शक्यः, ध्रियते, उत्थाय, जुगोप, प्रजास्तस्य ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (2×4=8)

Write short notes on any **four** of the following :

अश्वघोष, कालिदास, भारवि, श्रीहर्ष, जयदेव, गीतिकाव्य